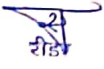







न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज
	<p>११/१२/२३...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब V.C. अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पवारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक...२५/१०/२३ को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर</p>
	<p>२५/१०/२३...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अवकाश अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पवारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक...१३/१२/२३ को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर</p>
	<p>१३/१२/२३...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब मितिग अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पवारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक...३१/०१/२४ को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर</p>
३१-०१-२४	<p>फकील पक्षकारान उपण। मस्य सं० २ लगा०४ की ओर से जवाब प्रदाना पत्र पेश किया जाणमि है। इंतजार तालीक प्रति० सं० संव तरण प्रति० दिनांक १३-३-२४ को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;"></p>
	<p>१३/३/२४...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पवारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक...१३-३-२४ को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर</p>
१४/०३/२४	<p>पत्रावली पेश हुई। तालीक जारी उपस्थित नहीं। शं०पत्र का मूल दावा अरुम धजरी। पैरवी में खारिज है चुठा है.अतः शं०पत्र २१२ वी अरुम धजरी। पैरवी में खारिज किया जाकर पत्रावली केवल शुमार होकर दालिल लेख भेजार हों।</p> <p style="text-align: center;"></p>